

पाठ-पन्द्रह माँ, कह एक कहानी



चेटी, उपवन, तात, सुरभि, मनमानी, भ्रमण, मानधन।



‘माँ कह एक कहानी।’

“बेटा, समझ लिया क्या तूने
मुझको अपनी नानी?”

“कहती है मुझसे यह चेटी,
तू मेरी नानी की बेटा !
कह माँ, कह, लेटी ही लेटी,

राजा था या रानी ?

राजा था या रानी ?

माँ?, कह एक कहानी।’

“तू है हठी मानधन मेरे,
सुन, उपवन में बड़े सवेरे,
तात भ्रमण करते थे तेरे,

जहाँ सुरभि मनमानी।”
‘जहाँ सुरभि मनमानी।’
हाँ, माँ कह एक कहानी।’

(मैथिलीशरण गुप्त)

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझिए :
चेटी = दासी
मानधन = प्रतिष्ठा ही जिसका धन हो।
तात = पिता
सुरभि = सुगन्धित, प्रिय।
मनमानी = जो जी चाहे, वह काम।
2. उत्तर दीजिए :
(क) पुत्र माँ से क्या कहता है ?
(ख) माँ अपने पुत्र को क्या उत्तर देती है ?
(ग) कौन किसको नानी की बेटी कहता है ?
(घ) पुत्र अपनी माँ से किसकी कहानी कहने को कहता है ?
(ङ) माँ कैसे कहानी कहना शुरू करती है ?
(च) माँ-बेटे की इस बातचीत को अपने शब्दों में लिखिए।
(छ) ‘माँ, कह एक कहानी’ कविता का मूल भाव लिखिए।
(ज) किसी विषय पर माँ और बेटे के बीच का एक वार्तालाप लिखिए।
3. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :
मानधन -----
उपवन -----

भ्रमण -----
 सुरभि -----
 मनमानी -----
 कहानी -----

4. पंक्तियाँ पूरी कीजिए :

तू है हठी -----,
 सुन, -----,
 ----- थे तेरे,
 जहाँ ----- ।

5. ध्यान से पढ़िए और समझिए :

नानी = माँ की माँ
 नाना = माँ का पिता
 दादी = पिता की माँ
 दादा = पिता का पिता
 काका/चाचा = पिता का छोटा भाई
 काकी/चाची = काका/चाचा की पत्नी
 मामा = माँ का भाई
 मामी = मामा की पत्नी
 बुआ = पिता की बहन
 फूफा = बुआ का पति
 मौसी = माँ की बहन
 मौसा = मौसी का पति
 भाभी = भाई की पत्नी
 जेठ = पति का बड़ा भाई
 जेठानी = जेठ की पत्नी
 देवर = पति का छोटा भाई
 देवरानी = देवर की पत्नी